www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

आपका भरोसा, हमारी ताकत

RNI No. : DELHIN/2016/70240

2 नया कोल्ड वार क्या है? किनके बीच चल...
3 ठंडे मौसम का गर्म फैशन...
4 सी एच सी राजौंद में 31 जनवरी को विशाल...

वर्ष: 10 | अंक: 67 | दिल्ली, मंगलवार, 30 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

वैष्णो देवी यात्रा के बदले नियम: अब 12 घंटे में यात्रा शुरू, 24 में करनी होगी पूरी

कटरा (एजेन्सी)। नव वर्ष समारोह और तीर्थयात्रियों की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) ने नए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसमें दोहराया गया है कि कटरा में तीर्थयात्रा करने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए यात्रा पंजीकरण अनिवार्य है। श्राइन बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि कटरा पहुंचने पर तीर्थयात्रियों के लिए पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम यात्रा पंजीकरण है, जो कटरा बस स्टैंड के पास स्थित यात्री पंजीकरण काउंटर (वाईआरसी) पर किया जाता है। यह प्रक्रिया केवल श्राइन बोर्ड द्वारा ही संपन्न की जाती है, जो यात्रा पंजीकरण जारी करने के लिए अधिकृत एकमात्र वैधानिक प्राधिकरण है। किसी भी निजी या सार्वजनिक एजेंसी को तीर्थयात्रियों का पंजीकरण करने की अनुमति नहीं है। श्राइन बोर्ड के अनुसार, श्रद्धालुओं को आरएफआईडी यात्रा कार्ड प्राप्त होने के 12 घंटों के भीतर अपनी यात्रा शुरू करनी होगी और 24 घंटों के भीतर यात्रा पूरी करके बेस कैंप कटरा लौटना अनिवार्य है। पहले आरएफआईडी कार्ड की वैधता केवल यात्रा शुरू करने तक ही सीमित थी, लेकिन अब पहली बार यात्रा पूरी करने की समय सीमा भी निर्धारित कर दी गई है, जिससे भीड़ प्रबंधन में और सुधार होगा।

नए साल में गरीब परिवारों को मिलेंगे फ्लैट की चाबियां!

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली सरकार ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा है कि वह राजधानी के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) से संबंधित नागरिकों को न केवल छत बल्कि एक सम्मानजनक और सुगम जीवन प्रदान करने के अपने संकल्प पर लगातार आगे बढ़ रही है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस दिशा में, दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी) की मौजूदा ईडब्ल्यूएस आवासीय कॉलोनियों में सामुदायिक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य केवल मकान बनाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि गरीब और वंचित लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, जल आपूर्ति, हरित क्षेत्र और आजीविका से संबंधित सभी सुविधाएं एक साथ मिलें। सावदा घेवरा जैसी गरीबों के लिए निर्मित बड़ी कॉलोनियों में बुनियादी और सामाजिक अवसंरचना का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी वर्ष से पात्र गरीब परिवारों को फ्लैटों का आवंटन शुरू हो जाएगा। विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सावदा घेवरा ईडब्ल्यूएस आवासीय कॉलोनी लगभग 37.81 एकड़ भूमि पर विकसित की गई है। 2012 से 2018-2020 के बीच यहां कुल 7,620 आवासीय इकाइयां निर्मित की गईं, जिनमें से 6,476 फ्लैट वर्तमान में खाली हैं। हालांकि, पिछली सरकारों ने इस कॉलोनी में गरीब परिवारों को बसाने में कम रुचि दिखाई, जिसके कारण कई फ्लैटों की मरम्मत की आवश्यकता है।

दिल्ली हवाई अड्डे पर कोहरे के कारण 128 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेन्सी)। घने कोहरे के कारण सोमवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर कम से कम 128 उड़ानें रद्द कर दी गईं, आठ उड़ानों का मार्ग बदलना पड़ा, जबकि लगभग 200 उड़ानें देरी से संचालित हुईं। एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली हवाई अड्डे पर घने कोहरे और कम दृश्यता की स्थिति के कारण 64 प्रस्थान और 64 आगमन उड़ानें रद्द की गईं, जबकि आठ उड़ानों का मार्ग बदल दिया गया। दिल्ली हवाई अड्डा संचालक डायल (दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रनवे की दृश्यता में सुधार हो रहा है, लेकिन कुछ उड़ानों के प्रस्थान और आगमन पर अब भी असर पड़ सकता है। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार24डॉटकॉम पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, करीब 200 उड़ानों में देरी हुई, जबकि औसतन प्रस्थान में लगभग 24 मिनट की देरी दर्ज की गई। इंडिगो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली और उत्तरी भारत के कई हवाई अड्डों पर कोहरा लगातार बना हुआ है।

अमित शाह ने असम के गुवाहाटी में ज्योति-बिष्णु अंतरराष्ट्रीय कला मंदिर का किया उद्घाटन

संजना भारती/पीआईबी

गुवाहाटी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने असम के गुवाहाटी में ज्योति-बिष्णु अंतरराष्ट्रीय कला मंदिर का उद्घाटन किया। श्री शाह ने नवनिर्मित पुलिस आयुक्त कार्यालय भवन, कमांड एवं कंट्रोल सेंटर का लोकार्पण और तीन नए आपराधिक कानूनों पर राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा और केन्द्रीय मंत्री श्री सर्वानंद सोनोवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज एक ही दिन में असम के विकास, पहचान, संस्कृति और सुरक्षा के सभी आयामों को कवर करते हुए कई कार्यक्रमों का आयोजन हुआ है। उन्होंने कहा कि आज 111 करोड़ रु से नवनिर्मित पुलिस कमिश्नर कार्यालय का लोकार्पण हुआ जो अत्याधुनिक ही नहीं बल्कि सुविधाप्रद भी है। उन्होंने कहा कि 178 करोड़ रु की लागत से बने इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, जो स्मार्ट पुलिस की अवधारणा को जमीन पर उतारेगा, का भी आज लोकार्पण हुआ है। श्री शाह ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानून, जो असम में आने वाले दिनों में तीन साल के अंदर सेशन कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक न्याय दिलाएंगे, का भी एक प्रदर्शनी के माध्यम से परिचय देने का काम हुआ है। उन्होंने कहा कि आज सुबह नागांव में महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव जी के बहुत बड़े स्मारक का लोकार्पण भी हुआ है।

श्री अमित शाह ने कहा कि जिस क्षेत्र पर घुसपैठियों ने कब्जा जमाया था, उस 162 एकड़ भूमि को खाली कराकर यहां महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव जी का स्मारक बनाना असम की संस्कृति के पुनरोदय का बहुत बड़ा प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज यहाँ श्री ज्योति-बिष्णु सभागार का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कहा कि ज्योतिप्रसाद अगरवाला और बिष्णु प्रसाद राभा, दो महान साहित्यकारों और कलाकारों, की स्मृति में 291 करोड़ रु की लागत से 5000 लोगों के बैठने की क्षमता वाले सभागार का उद्घाटन असम के विकास का परिचायक है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि श्री ज्योतिप्रसाद अगरवाला जी और कला गुरु श्री बिष्णु प्रसाद राभा जी के बारे में जितना कहा जाए उतना कम है। उन्होंने कहा कि अगरवाला जी ने असम की पहली फिल्म जॉयमोती बनाई और असमिया सिनेमा की नींव डालने का काम किया। श्री शाह ने कहा कि अगरवाला जी ने संगीत, नाटक और साहित्य को देशभक्ति के साथ जोड़कर असम की प्रजा में आजादी की ललक जगाने का काम भी किया। उन्होंने कहा कि इन दो सेनानियों ने असम की जनता के मन में आत्मसम्मान और देशभक्ति को जागृत किया जिसे आगे चलकर गोपीनाथ जी ने एक मजबूत आंदोलन के साथ आगे बढ़ाया और असम को भारत का हिस्सा बनाने के लिए भारत के प्रथम प्रधानमंत्री को मजबूर कर दिया।

श्री अमित शाह ने कहा कि कला गुरु बिष्णु प्रसाद राभा जी ने कला के माध्यम से आजादी की क्रांति को बल दिया। उन्होंने कहा कि राभा जी ने आम लोग, मजदूर, किसान और आदिवासियों को अपने सहज, सरल और साहित्यिक शब्दों से आजादी के आंदोलन के साथ जोड़ा। उन्होंने कहा कि विदेशी कुशासन, उससे उत्पन्न हुई गरीबी, असमानता और सामाजिक अन्याय के खिलाफ राभा जी ने जागरूकता फैलाई।

हर मंडल मुख्यालय पर बनाएंगे स्पोर्ट्स कॉलेज: सीएम योगी आदित्यनाथ

संजना भारती संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में खेल मैदान, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिले स्तर पर बड़ा स्टेडियम बनवाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के साथ सरकार हर मंडल मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कॉलेज बनाया जाएगा।

सीएम योगी सोमवार को गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विधायक खेल स्पर्धा-2025 के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर को लगातार सुदृढ़ कर रही है। गोरखपुर में बेलीपार के पास एक इंटरनेशनल स्टेडियम बनने जा रहा है। गोरखपुर के रीजनल स्टेडियम का भी 63 करोड़ रुपये की लागत से नवोद्धार हो रहा है। वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में भी बेहतरीन स्टेडियम बन रहा है। मेरठ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का सत्र प्रारंभ हो चुका है। इस यूनिवर्सिटी का विश्व स्तरीय निर्माण जारी है। अब सरकार की तैयारी हर मंडल मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कॉलेज बनाने की है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वह जल्द ही गोरखपुर महानगर की सभी संस्थाओं के साथ बैठक करने वाले हैं। उस बैठक में संस्थाओं का आह्वान किया जाएगा कि वे एक-एक खेल को गोद लें। कुछ सहयोग वे करें और कुछ सरकार करेगी। यहां पर अच्छे कोच रखे जाएंगे। इससे बच्चों को खेल के लिए एक बेहतर प्लेटफार्म प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायक खेल स्पर्धा को लेकर अपनी आगामी योजना भी साझा की। उन्होंने कहा कि अगली बार बच्चों और छात्रों के स्तर के साथ ही वार्ड स्तर पर कामकाजी और रिटायर्ड लोगों के लिए भी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। वार्ड स्तर, उसके बाद कुछ वार्डों को मिलाकर उपनगरीय और फिर नगर स्तर पर बड़ी प्रतियोगिता, बड़े समारोह का आयोजन कर विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बच्चों-छात्रों की प्रतियोगिताएं बालक व बालिका वर्ग में तीन स्तर, बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे ही गोरखपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए भी कहा गया है। कला के अलग अलग विधाओं गायन, वादन, नृत्य, नाट्य आदि की यह प्रतियोगिता जनवरी के प्रथम सप्ताह में होगी। 11 से 13 जनवरी को गोरखपुर महोत्सव के मुख्य आयोजन में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

सीएम योगी ने खेलकूद के महत्व को समझाते हुए कहा कि युवा खेलेगा तो देश खिलेगा। विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने का रास्ता यहीं से प्रारंभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में सफलताओं का मार्ग स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकता है। स्वस्थ शरीर खेलकूद और यौगिक क्रियाओं के माध्यम से ही प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्ष के अंदर देश में खेल और खेलकूद की गतिविधियों को लेकर भारी परिवर्तन हुआ है।

पांचवें प्रयास में विधु प्रकाश पाण्डेय को अधिवक्ताओं का मिल रहा है जोरदार समर्थन

सेन्ट्रल बार में संयुक्त सचिव प्रशासन के पद पर लड़ रहे हैं विधु प्रकाश

एसबी संवाददाता

वाराणसी। कचहरी में चुनाव प्रचार अन्तिम चरण में चल रहा है। दो दिसंबर को बनारस बार में चुनाव होना है वहीं तीन दिसंबर को सेन्ट्रल बार में चुनाव है। प्रत्याशी अधिवक्ताओं के चौकी चौकी जाकर अपना प्रचार कर रहे हैं। प्रत्याशियों के समर्थक भी अपने चहेते उम्मीदवारों को जितने के लिए खूब पसीना बहा रहे हैं। प्रत्याशियों के पम्पलेट, बैनर, पोस्टर, होर्डिंग कचहरी से लगायत कलेक्ट्रेट में छाये हुए हैं।

पूर्वांचल में अधिवक्ताओं का सबसे बड़ा बार दी सेन्ट्रल बार एसोसिएशन में कई दिग्गज अपना भाग्य आजमा रहे हैं। इन्हीं में संयुक्त सचिव प्रशासन के पद पर लगातार पांचवीं बार अपना भाग्य आजमा रहे हैं फौजदारी वरिष्ठ अधिवक्ता विधु प्रकाश पाण्डेये विधु के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है की उन्हें कचहरी का रेगुलर प्रेक्टिसनर होने के कारण वरिष्ठ अधिवक्ताओं से लगायत कनिष्ठ अधिवक्ताओं का जोरदार प्यार और समर्थन मिल रहा है।

विधु प्रकाश पढने लिखने में बहुत तेज थे। बचपन से ही विधु प्रकाश का रुझान अधिवक्ता बनकर गरीबों, वंचितों और शोषितों को विधिक सहायता देकर संबल प्रदान करना था। हरिश्चंद्र कालेज से विधि स्नातक की डिग्री लेने के बाद पूर्वांचल में फौजदारी के वरिष्ठ अधिवक्ता रहे स्व. बाबू सागर सिंह से वकालत की बारिकियों को सीखा है।

अधिवक्ता विधु प्रकाश पाण्डेय। (छाया: एसबी)

अटल जी के अन्त्योदय के संकल्प को पूरा कर रही केंद्र और दिल्ली सरकार: रविन्द्र इन्द्राज

अटल जी ने भारत को 21वीं सदी के लिए किया तैयार: इन्द्राज

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। अटल जी के अन्त्योदय संकल्प को केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार पूरा कर रही हैं। अन्त्योदय से ही विकसित भारत-विकसित दिल्ली का लक्ष्य पूरा होगा, यह बात दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री एवं उत्तर पश्चिमी दिल्ली के प्रभारी रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने पूर्व प्रधानमन्त्री, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के योगदान को नमन करते हुए कही। बवाना विधानसभा में आयोजित अटल स्मृति सम्मेलन एवं बादली विधानसभा क्षेत्र में अटल सुशासन सम्मेलन का आयोजन किया गया।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि पूरा देश भारत के विकास पुरुष अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्म शताब्दी वर्ष मना रहा है। अटल जी के नेतृत्व में भारत को 21वीं सदी के लिए तैयार करने वाली कई ऐतिहासिक पहलें हुईं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरूआत हुई, जो विश्व की सबसे बड़ी सड़क परियोजनाओं में से एक है। पोखरण परमाणु परीक्षण के माध्यम से भारत अग्रणी सामरिक शक्ति बना। टेलीकॉम क्रांति और इंटरनेट के माध्यम से डिजिटल भारत की नींव रखी गई। शिक्षा को मौलिक अधिकार का दर्जा मिला। अटल जी ने जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान का नारा दिया।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि अटल जी ने संसद में राजनीतिक शुचिता और मर्यादित संवाद की परंपरा को नई ऊँचाइयाँ दीं। अटल बिहारी वाजपेयी जी विरोध की राजनीति के बजाय सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते थे। उन्होंने कठिन समय में तत्कालीन प्रधानमंत्री को विपक्ष के सहयोग का आश्वासन दिया- जो आज की राजनीति में दुर्लभ है।

श्री इन्द्राज ने कहा कि अटल जी के अन्त्योदय के संकल्पों को मोदी सरकार पूरा कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सड़क निर्माण की रफ्तार ऐतिहासिक रूप से बढ़ी है। भारत माला परियोजना आज दुनिया की सबसे बड़ी हाइवे परियोजनाओं में से एक है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत अब तक लगभग 10.35 करोड़ परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन मिला है एवं स्वच्छ भारत मिशन से ग्रामीण घरों में 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण हुआ है। जनधन खाते, मुद्रा योजना, सौभाग्य योजना, जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत जैसी कई योजनाओं से देश विकसित भारत की दिशा में बढ़ रहा है। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि पिछले दस महीनों में दिल्ली सरकार अन्त्योदय की दिशा में दिव्यांगों एवं बुजुर्गों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। उच्च देखभाल की आवश्यकता वाले दिव्यांगजनों के लिए 6,000 रुपए प्रतिमाह सहायता योजना शुरू की गई है, जिससे जरूरतमंदों को सम्मानजनक जीवन मिल सके। पश्चिम विहार में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सावित्री बाई फुले ओल्ड एज होम शुरू हुआ। तिमारपुर में दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए अटल दृष्टि होम शुरू हुआ। नरेला में अटल आशा होम में बौद्धिक रूप से दिव्यांगजनों के लिए आधुनिक पुनर्वास सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं।

प्रचंड ठंड में भी जारी रहा सीएम योगी का जनसेवा अनुष्ठान

संजना भारती संवाददाता

गोरखपुर। जनता के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रचंड ठंड में भी सोमवार को जनसेवा का अनुष्ठान जारी रखा। प्रतिकूल मौसम के बावजूद उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं। समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, घबराइए मत, हर समस्या का समाधान कराएंगे, सरकार सबकी भरपूर मदद करेगी। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। जहां पैमाइश की जरूरत हो, वहां पैमाइश कराकर विवाद का निस्तारण कराया जाए। पारिवारिक विवाद के मामलों में उन्होंने उभयपक्षों के साथ संवाद कर समाधान की राह निकालने के लिए निर्देशित किया।

जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री मान के नेतृत्व में मंत्रिमंडल द्वारा प्रशासनिक ढांचे के उन्नयन, भूमि सुधारों तथा विशेष शिक्षक शिक्षकों को राहत देने को मंजूरी

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब मंत्रिमंडल ने नागरिकों की सरकार तक सीधी और सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासनिक एवं शासकीय सुधारों की श्रृंखला को मंजूरी प्रदान की। मंत्रिमंडल ने आज साहिबजादा अजीत सिंह (एस.ए.एस.) नगर जिले में उप-तहसील बनूड़ को तहसील के रूप में उन्नत करने, होशियारपुर में हरियाणा को नई उप-तहसील बनाने, डिजिटल रिकॉर्ड के माध्यम से भूमि राजस्व कानूनों के आधुनिकीकरण हेतु संशोधन करने तथा समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत विशेष शिक्षक शिक्षकों को दीर्घकालिक राहत प्रदान करने को स्वीकृति दी है। यह निर्णय नागरिक-प्रथम और सेवा-उन्मुख प्रशासन की दिशा में स्पष्ट परिवर्तन को दर्शाता है।

मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि इन कदमों से निवासियों के लिए प्रशासनिक सेवाओं तक और अधिक आसान पहुंच सुनिश्चित होगी तथा उन्हें रोजमर्रा के सरकारी कार्यों के लिए दूर-दराज के कार्यालयों में जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। यह निर्णय व्यापक जनहित में त्वरित एवं सुविधाजनक सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है।

सम्पादकीय

2026 एक नये युद्ध का वर्ष है!

साल 2025 भारतीय राजनीति में सत्ताधारी एनडीए के लिये विजय का वर्ष रहा। दिल्ली और बिहार में मिली निर्णायक जीत ने भारतीय जनता पार्टी के आत्मविश्वास को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया। दूसरी ओर विपक्ष के लिये यह साल निराशा, विघटन और हताशा का प्रतीक बन गया। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी पराजित हुई और बिहार में कांग्रेस, राजद और वाम दलों का महागठबंधन लगभग साफ हो गया। लेकिन राजनीति में स्थायी कुछ नहीं होता। 2026 एक नये युद्ध का वर्ष है जहां सत्ता की जड़ें हिलाने के लिए विपक्ष फिर से प्रयास करेगा। हम आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। मार्च से मई 2026 के बीच होने वाले इन चुनावों के लिये सभी दल अभी से तलवारें निकाल चुके हैं। अभी से नेताओं के भाषणों में आग है, रणनीतियों में धार है और हर कदम सत्ता की लालसा से भरा हुआ है। सबसे पहले पश्चिम बंगाल की बात करें तो आपको बता दें कि राज्य में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस एक मजबूत किले की तरह खड़ी है, लेकिन इस किले की दीवारों पर अब लगातार भगवा हमले हो रहे हैं। 2016 में मात्र तीन सीटों पर सिमटी भाजपा 2021 में 77 सीटों तक पहुंच गयी। यह उछाल संयोग था या स्थायी चुनौती, इसका फैसला 2026 करेगा। ममता बनर्जी 213 सीटों और लगभग आधे वोट प्रतिशत के साथ सत्ता में हैं, लेकिन सत्ता का बोझ भारी होता है। महंगाई, बेरोजगारी और स्थानीय असंतोष अब उनके सामने खड़े बड़े सवाल हैं। भाजपा पूरी ताकत से मैदान में उतर चुकी है और बिहार की जीत के बाद उसका हौसला दोगुना है। वहीं कांग्रेस और वाम दल अपनी खोई हुई जमीन तलाश रहे हैं, लेकिन उनका संकट यह है कि जनता अब उन्हें गंभीर विकल्प मानने को तैयार नहीं है। विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूचियों में हो रहे बदलाव ने बंगाल की राजनीति में आग और घी का काम किया है। अल्पसंख्यक और शहरी क्षेत्रों में होने वाले परिवर्तन चुनावी गणित को पूरी तरह पलट सकते हैं। वहीं तमिलनाडु की बात करें तो राज्य हमेशा से द्रविड राजनीति का गढ़ रहा है। द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच सत्ता की रस्साकशी अब एक बार फिर चरम पर है। मुख्यमंत्री स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक मजबूत स्थिति में है, लेकिन सत्ता विरोधी लहर की आहट साफ सुनाई दे रही है। रोजगार, नीट, बिजली दरें और प्रशासनिक अपेक्षाएं सरकार के लिये अग्निपरीक्षा हैं। अन्नाद्रमुक और भाजपा का गठबंधन इस बार ज्यादा संगठित दिख रहा है। अन्नाद्रमुक महासचिव पलानीसामी का दावा है कि यह मोर्चा 200 से अधिक सीटें जीत सकता है। लेकिन इस गणित को सबसे ज्यादा बिगाड़ने वाला नाम है विजय। उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम पहली बार मैदान में है और युवा वर्ग में उसका असर नकारा नहीं जा सकता। हालांकि करूर की भगदड़ की घटना ने विजय की छवि को गहरी चोट पहुंचाई है। वहीं असम को देखें तो राज्य में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा भाजपा के सबसे आक्रामक चेहरों में गिने जाते हैं। 2021 में 75 सीटें जीतने के बावजूद सत्ता विरोधी भावना अब उभर रही है। सरमा का दावा है कि एनडीए 100 से अधिक सीटें जीतेगा, लेकिन जमीनी हकीकत कहीं ज्यादा जटिल है। कांग्रेस के लिये यह करो या मरो की लड़ाई है। नये प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई के सामने चुनौती है कि वह लोकसभा चुनावों की सफलता को विधानसभा में बदल सकें। हालांकि दस साल की सत्ता के खिलाफ माहौल बनाना आसान नहीं, खासकर तब जब विपक्षी वोट विभाजित हों। एआईयूडीएफ का रुख यहां निर्णायक साबित हो सकता है। उधर, केरल की राजनीति हमेशा सत्ता परिवर्तन के लिये जानी जाती रही है, लेकिन वाम मोर्चा इस परंपरा को तोड़ चुका है। अब तीसरी बार सत्ता में लौटने का सपना देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन विकास और निरंतरता के नाम पर जनता से समर्थन मांग रहे हैं। वहीं कांग्रेस नीत मोर्चे के लिये यह अस्तित्व की लड़ाई है। यदि इस बार भी नाकामी हाथ लगी तो केरल में कांग्रेस और कमजोर हो जायेगी। भाजपा के लिये भी यह चुनाव अहम है। यदि एक भी सीट वह जीतती है तो केरल की राजनीति में नया अध्याय शुरू होगा। इस बीच, पुडुचेरी में एनडीए की सरकार अंदरूनी कलह से जूझ रही है। मंत्री का इस्तीफा, दलित असंतोष और गठबंधन की कमजोरी सत्ता को अस्थिर बना रही है। द्रमुक यहां अपनी जड़ें फैलाने की कोशिश में है और कांग्रेस केवल इतना चाहता है कि उसका नाम प्रदेश की राजनीति से न मिटे। बहरहाल, 2026 के चुनाव सत्ता और विपक्ष, दोनों का इम्तिहान है। यह चुनाव केवल सरकारें नहीं बदलेंगे, यह तय करेंगे कि लोकतंत्र में विकल्प जिंदा है या नहीं। देखा जाये तो 2026 का रण सिर्फ सत्ता का नहीं, भविष्य का है।

जयंती

प्रकाशवीर शास्त्री

जन्म-30 दिसम्बर, 1923, उत्तर प्रदेश; मृत्यु-23 नवम्बर, 1977, भारतीय संसद के लोकसभा सदस्य थे। ये संस्कृत के विद्वान और आर्यसमाज के नेता के रूप में भी प्रसिद्ध थे। इनका वास्तविक नाम 'विद्या शंकर शास्त्री' था। प्रकाशवीर शास्त्री का नाम भारतीय राजनीति में उच्चकोटि के भाषण देने वालों में लिया जाता है। प्रकाशवीर के भाषणों में तर्क बहुत शक्तिशाली होते थे। उनके विरोधी भी उनके प्रशंसक बन जाते थे। ऐसा माना जाता है कि पूर्व प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि प्रकाशवीर जी उनसे भी बेहतर वक्ता थे।

पुण्यतिथि

विक्रम साराभाई

जन्म-12 अगस्त, 1919, अहमदाबाद; मृत्यु-30 दिसम्बर, 1971, तिरुवनंतपुरम, को भारत के 'अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक' माना जाता है। इनका पूरा नाम 'डॉ. विक्रम अंबालाल साराभाई' था। इन्होंने भारत को अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया और अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर देश की उपस्थिति दर्ज करा दी। विक्रम साराभाई ने अन्य क्षेत्रों में भी समान रूप से पुरोगामी योगदान दिया। वे अंत तक वस्त्र, औषधि, परमाणु ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और कई अन्य क्षेत्रों में लगातार काम करते रहे थे। डॉ. साराभाई एक रचनात्मक वैज्ञानिक, एक सफल और भविष्यदृष्टा उद्योगपति, सर्वोच्च स्तर के प्रवर्तक, एक महान संस्थान निर्माता, एक भिन्न प्रकार के शिक्षाविद, कला के पारखी, सामाजिक परिवर्तन के उद्यमी, एक अग्रणी प्रबंधन शिक्षक तथा और बहुत कुछ थे।

कल मिलेंगे

इतिहास के टीचर ने चिंटू से पूछा-अकबर का जन्म कब हुआ था?
चिंटू-सर मैं तो स्कूल पढ़ने आता हूं, डिलेवरी थोड़ी कराता हूं
चिंटू का जवाब सुनकर टीचर के होश उड़ गए…

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-संजय कुमार द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHI/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

नया कोल्ड वार क्या है? किनके बीच चल रहा है? इसमें भारत किस भूमिका में है?

नया कोल्ड वार पुराने भू-सामरिक तनाव का ही एक परिवर्तित भू-राजनीतिक तनाव है, जो मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच चल रहा है। देखने में तो यह शीत युद्ध के जैसा ही है लेकिन यह प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष के बजाय आर्थिक, तकनीकी, व्यापारिक और वैचारिक प्रतिस्पर्धा पर केंद्रित है। दोनों के बीच एशिया खासकर अरब और भारतीय उपमहाद्वीप पर वर्चस्व स्थापित करने को लेकर होड़ मची हुई है

-कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार

द्वितीय विश्व युद्ध की विजय के बाद अमेरिका और सोवियत संघ के बीच छिड़े शीत युद्ध और इसके वार-पलटवार जैसे युद्धगत प्रभावों से हमलोग वाकिफ हैं। इस दौरान यूएसए और यूएसएसआर की खेमेबाजी भी जगजाहिर रही, जिससे दुनिया के कमजोर देशों के कुछ कुछ हित भी सधे। हालांकि 1990 के दशक में सोवियत संघ के बिखराव के बाद यह खत्म हो गया। लेकिन अमेरिका की बढ़ती वैश्विक चौधराहट के बाद 2010 के दशक में अमेरिका-चीन के बीच फिर से एक 'नया शीत युद्ध' शुरू हो गया, जो अब तलक जारी है।

चूंकि यूएसएसआर के पतन में अमेरिकी भूमिका रही, इसलिए उसके अवशेष पर खड़े हुए रूस ने चीन को शह देकर अमेरिका से अपना पुराना हिसाब-किताब चुकता कर लिया। इस प्रकार दुनिया के थानेदार अमेरिका के सामने एक नई सामरिक-आर्थिक चुनौती खड़ी हो गई, लेकिन पारस्परिक होड़ का स्वरूप कुछ कुछ बदल गया। कुलमिलाकर चीन अब अमेरिका के लिए भस्मासुर साबित हो रहा है। इससे अमेरिका भारत की ओर मुड़ा, लेकिन भारतीय नेतृत्व की सतर्कता की वजह से 2025 आते आते अपने कुटिल इरादों में नाकामयाब हो गया।

बताते चलें कि नया कोल्ड वार पुराने भू-सामरिक तनाव का ही एक परिवर्तित भू-राजनीतिक तनाव है, जो मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच चल रहा है। देखने में तो यह शीत युद्ध के जैसा ही है लेकिन यह प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष के बजाय आर्थिक, तकनीकी, व्यापारिक और वैचारिक प्रतिस्पर्धा पर केंद्रित है। दोनों के बीच एशिया खासकर अरब और भारतीय उपमहाद्वीप पर वर्चस्व स्थापित करने को लेकर होड़ मची हुई है। यूरोप से अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया तक इसकी आंच पहुंच चुकी है।

मसलन, यह नया शीत युद्ध 2010 के दशक के अंत से प्रचलित हुआ, जब अमेरिका ने चीन की बढ़ती आर्थिक शक्ति, दक्षिण चीन सागर में विस्तारवाद, तकनीकी चोरी और मानवाधिकार उल्लंघनों पर चिंता जताई। तब व्यापार युद्ध, हुआवेई प्रतिबंध और टिकटॉक जैसे मुद्दे इसके उदाहरण हैं। जहां तक इस नया शीत युद्ध के मुख्य पक्ष की बात है तो इसमें अमेरिका और उसके सहयोगी नाटो वाले यूरोपीय देश, दक्षिण कोरिया, क्वाड (अमेरिका, भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया) और ऑकुस जैसे गठबंधन के माध्यम से चीन का मुकाबला करने की रणनीति अख्तियार किये हुए हैं, लेकिन रूसी मित्रता की वजह से भारत अक्सर गुटनिरपेक्षता की आड़ लेकर तटस्थ हो जाता है।

वहीं, चीन और उसके सहयोगी देश-रूस, उत्तर कोरिया, ईरान, पाकिस्तान (दोहरी चाल चलते हुए) और कुछ अफ्रीकी देशों यथा ब्राजील के साथ ब्रिक्स, जिसमें भारत भी शामिल है, को विस्तार देते हुए जवाबी पलटवार करते जा रहे हैं। वर्तमान स्थिति यह है कि भारत-पाकिस्तान अपने अपने पुराने कैम्प के साथ प्रतिबद्धता दिखा रहे हैं, जिससे चीनी पक्ष का पलड़ा भारी हुआ है।

देखा जाए तो दोनों पक्षों के बीच व्यापार युद्ध, तकनीकी प्रतिस्पर्धा (जैसे-चिप्स और एआई), ताइवान मुद्दा, दक्षिण चीन सागर में विस्तारवाद और अफ्रीका-प्रशांत में प्रभाव के लिए पारस्परिक प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। अमेरिकी नादानी से 2025 तक यह मल्टी-पोलर हो गया है, जहां भारत जैसे देश तटस्थ भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, ताइवान और ईरान जैसे देश क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने में भूमिका निभा रहे हैं। इस प्रकार यह द्विध्रुवीय से बहुध्रुवीय संघर्ष बन गया है।

इस प्रकार नया कोल्ड वार मुख्य रूप से अमेरिका और चीन के बीच माना जाता है, जिसमें रूस एक प्रमुख चीनी सहयोगी के रूप में उभर रहा है। जबकि नाटो देश अमेरिका के स्वाभाविक सहयोगी रहे हैं। ये देश अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, दक्षिण-पूर्व एशिया से लेकर मध्य-पश्चिम एशिया तक आर्थिक, तकनीकी और सैन्य प्रभाव के लिए आपसी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। जबकि भारत जैसे मजबूत कई अन्य देश तटस्थ या संतुलित भूमिका निभा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक विश्लेषक भी बताते हैं कि नया कोल्ड वार में भारत तटस्थ और संतुलित भूमिका निभा रहा है, न तो पूरी तरह अमेरिका के साथ है और न ही चीन के साथ।

सरल शब्दों में कहें तो जहां एक तरफ भारत QUAD और I2U2 जैसे गठबंधनों के माध्यम से अमेरिकी पक्ष को मजबूत करता है, वहीं दूसरी ओर रूस से तेल खरीदकर और BRICS में सक्रिय रहकर संतुलन बनाए रखता है। दूसरे शब्दों में कहें तो एक ओर भारत जहां प्रमुख गठबंधन QUAD सदस्य देश अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया के साथ हिंद-प्रशांत में चीन के विस्तारवाद का मुकाबला कर रहा है। वहीं दूसरी ओर BRICS और SCO मंच पर चीन-रूस के साथ आर्थिक सहयोग, वैश्विक दक्षिण की आवाज बुलंद कर रहा है।

दरअसल, ऐसा करके भारत अपनी 'रणनीतिक स्वायत्तता' की नीति अपनाता है, जहां यह दोनों पक्षों से लाभ लेता है। साथ ही वह ताइवान जलडमरूमध्य और दक्षिण चीन सागर में शांति का समर्थन तो करता है, लेकिन सीधे टकराव से दूर रहता है। वैश्विक मंचों पर भारत विकासशील देशों का नेतृत्व कर रहा है। इस प्रकार भारत की भूमिका का सबसे बड़ा भू-राजनीतिक लक्ष्य रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए वैश्विक शक्ति के रूप में उभरना है। यह बहुध्रुवीय विश्व में संतुलनकारी भूमिका निभाकर आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करना चाहता है।

देखा जाए तो अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के माध्यम से भारत, अमेरिका-चीन-रूस जैसे गुटों से बंधा नहीं रहना चाहता है, बल्कि वह क्वाड, ब्रिक्स और एससीओ जैसे मंचों पर सक्रिय रहकर वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व करता है। इसका क्षेत्रीय प्रभाव यह होता है कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के विस्तारवाद का मुकाबला करते हुए IMEC कॉरिडोर जैसे प्रोजेक्ट्स से व्यापारिक पहुंच बढ़ाना चाहता है। साथ ही पड़ोसी देशों (पाकिस्तान, बांग्लादेश) के साथ संतुलन बनाए रखता है।

इसके पीछे भारत की दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा यह है कि वह 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किये हुए है, जहां सैन्य आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भर भारत), जलवायु नेतृत्व और डिजिटल अर्थव्यवस्था प्रमुखता पूर्वक जोर दिया जा रहा हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

युद्ध, संघर्ष, सत्ता परिवर्तन, तख्तापलट और अस्थिरता से साल भर जूझती रही दुनिया

2025 की शुरूआत ही एक बड़े झटके के साथ हुई, जब डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दोबारा कार्यभार संभाला। उनकी वापसी केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ा। ट्रंप का दूसरा कार्यकाल पहले से कहीं अधिक आक्रामक, राष्ट्रवादी और टकरावपूर्ण नजर आया। उनकी नीतियों ने वैश्विक व्यापार, सुरक्षा गठबंधनों और कूटनीतिक संतुलन को झकझोर दिया

-नीरज कुमार दुबे

साल 2025 वैश्विक राजनीति के इतिहास में एक ऐसे वर्ष के रूप में दर्ज हुआ, जिसने यह साफ कर दिया कि दुनिया अब स्थिरता की ओर नहीं, बल्कि अस्थिरता, टकराव और सत्ता संघर्ष की ओर तेजी से बढ़ रही है। यह साल लोकतंत्र और तानाशाही, शांति और युद्ध, संवाद और टकराव के बीच की रेखाओं को और धुंधला कर गया। कहीं चुनावों के जरिए सरकारें बदलीं, कहीं बंदूकों की नली से सत्ता हथियाई गई, तो कहीं युद्ध और सीमित संघर्षों ने मानवता को एक बार फिर कठघरे में खड़ा कर दिया।

2025 की शुरूआत ही एक बड़े झटके के साथ हुई, जब डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दोबारा कार्यभार संभाला। उनकी वापसी केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ा। ट्रंप का दूसरा कार्यकाल पहले से कहीं अधिक आक्रामक, राष्ट्रवादी और टकरावपूर्ण नजर आया। उनकी नीतियों ने वैश्विक व्यापार, सुरक्षा गठबंधनों और कूटनीतिक संतुलन को झकझोर दिया। अमेरिका की विदेश नीति फिर से अमेरिका फर्स्ट की राह पर लौटती दिखी, जिससे यूरोप से लेकर एशिया तक सहयोगी देशों में असहजता बढ़ी। ट्रंप की शैली ने मित्र देशों को भी यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या अमेरिका अब भरोसेमंद साझेदार रह गया है।

इसके अलावा, 2025 में कई देशों में नई सरकारों का गठन हुआ। कुछ देशों में यह सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का परिणाम था, तो कुछ जगहों पर राजनीतिक अस्थिरता की देन। अफ्रीका, यूरोप और प्रशांत क्षेत्र के कई छोटे-बड़े देशों में चुनावों के बाद नए नेतृत्व सामने आए। इन सत्ता परिवर्तनों ने यह दिखाया कि लोकतंत्र अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट हुआ कि लोकतांत्रिक संस्थाएं दबाव में हैं। कई देशों में कमजोर जनादेश, बिखरी संसद और अस्थिर गठबंधन सरकारों ने शासन को चुनौतीपूर्ण बना दिया।

हम आपको बता दें कि जहाँ कुछ देशों ने चुनावों का रास्ता चुना, वहीं 2025 तख्तापलटों का भी गवाह बना। अफ्रीका के कुछ हिस्सों में सेना ने लोकतांत्रिक सरकारों को हटाकर सत्ता अपने हाथ में ले ली। सत्ता परिवर्तन की यह प्रवृत्ति खासतौर पर उन क्षेत्रों में दिखी, जहाँ पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता, गरीबी और आतंकवाद मौजूद था। सेना द्वारा कई देशों में सत्ता पर कब्जा यह संकेत देता है कि कई देशों में लोकतंत्र अभी भी जड़ें नहीं जमा पाया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चेतावनियों और प्रतिबंधों के बावजूद तख्तापलटों का सिलसिला यह सवाल खड़ा करता है कि क्या वैश्विक व्यवस्था वास्तव में लोकतंत्र की रक्षा करने में सक्षम है?

इसके अलावा, साल 2025 में दक्षिण एशिया की उथल-पुथल की कहानी में नेपाल एक अहम उदाहरण बनकर सामने आया, जहाँ सत्ता परिवर्तन की पटकथा किसी राजनीतिक दल ने नहीं, बल्कि जेन-जी आंदोलन ने लिखी। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महंगाई और अवसरों की कमी से त्रस्त युवा पीढ़ी ने सड़कों पर उतरकर पारंपरिक राजनीति को सीधी चुनौती दी। सोशल मीडिया से शुरू हुआ यह आंदोलन देखते-ही-देखते जनआक्रोश में बदल गया, जिसने सरकार की नींव हिला दी। प्रदर्शन इतने व्यापक और उग्र हुए कि सत्ता प्रतिष्ठान को झुकना पड़ा और अंततः सरकार गिर गई। नेपाल का यह घटनाक्रम इस बात का संकेत बना कि अब सत्ता परिवर्तन केवल संसद या बंदूक से नहीं, बल्कि डिजिटल पीढ़ी की संगठित आवाज से भी संभव है। यह आंदोलन केवल सरकार विरोधी नहीं था, बल्कि दशकों से जमी हुई राजनीतिक जड़ता और वंशवादी राजनीति के खिलाफ खुला विद्रोह था, जिसने पूरे क्षेत्र को यह चेतावनी दी कि युवा पीढ़ी को नजरअंदाज करना अब सत्ता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है।

इसके अलावा, साल 2025 को यदि किसी एक शब्द में समेटा जाए तो वह शब्द है संघर्ष। यह वर्ष दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सुलगती सीमाओं, टूटते समझौतों और बढ़ते सैन्य टकरावों का गवाह बना। दक्षिण एशिया से लेकर मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया तक, शांति केवल कागजों में सिमट कर रह गई। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव और तनाव पूरे साल बना रहा। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट कर दिया कि दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच कितनी नाजुक स्थिति है। वहीं पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा संघर्ष ने क्षेत्रीय अस्थिरता को और गहरा किया, जहाँ आतंकवाद, शरणार्थी संकट और सैन्य झड़पें एक-दूसरे में घुलती रहीं।

साथ ही दक्षिण-पूर्व एशिया में दुनिया ने एक अप्रत्याशित मोर्चा खुलते देखा, जब थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमित युद्ध छिड़ गया। यह संघर्ष इस बात का संकेत था कि क्षेत्रीय विवाद, जो वर्षों से दबे हुए थे, अब खुलकर हिंसक रूप लेने लगे हैं। वहीं मध्य-पूर्व में इजराइल और हमास के बीच संघर्ष ने भयावह मानवीय संकट को जन्म दिया। गाजा पट्टी युद्धभूमि में तब्दील होती रही, जहाँ हवाई हमले, रॉकेट फायरिंग और जमीनी कार्रवाई ने हजारों निर्दोष लोगों की जान ली। यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक राजनीति और कूटनीति को भी गहरे स्तर पर प्रभावित करता रहा।

इसके अलावा, मध्य-पूर्व में तनाव और गहरा हुआ। ईरान और इजराइल के बीच प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया। मिसाइल हमले, हवाई हमले और सैन्य चेतावनियों ने यह साफ कर दिया कि एक चिंगारी पूरे क्षेत्र को आग में झोंक सकती है।

इसके अलावा, यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध 2025 में भी थमता नजर नहीं आया। यह संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यूरोप की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका सीधा असर पड़ा। साथ ही अफ्रीका के सैहेल क्षेत्र में चरमपंथी हिंसा और गृहयुद्ध जैसी स्थितियां बनी रहीं, जहाँ आम नागरिक सबसे बड़े शिकार बने।

इसी तरह बांग्लादेश में आंतरिक राजनीतिक संघर्ष और हिंसा ने यह दिखा दिया कि लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर पनपने वाले टकराव भी किस तरह देश को अस्थिर कर सकते हैं। विरोध-प्रदर्शन, राजनीतिक टकराव और अल्पसंख्यकों के साथ बर्बरता ने सामाजिक ताने-बाने को कमजोर किया।

देखा जाये तो इन सभी संघर्षों ने 2025 में यह साफ कर दिया कि दुनिया किसी एक महायुद्ध की ओर नहीं, बल्कि एक साथ कई छोटे-छोटे युद्धों और स्थायी अस्थिरता की ओर बढ़ रही है। यह वह दौर है जहाँ सीमाएं बारूद बन चुकी हैं और शांति सिर्फ भाषणों तक सिमट गई है।

इसके अलावा, जहाँ दुनिया संघर्ष और अस्थिरता से जूझ रही थी, वहीं डोनाल्ड ट्रंप 2025 के सबसे चर्चित नेताओं में से एक बने रहे। हालांकि उनकी लोकप्रियता सर्वसम्मत नहीं थी। एक ओर उनके समर्थक उन्हें मजबूत, निर्णायक और राष्ट्रवादी नेता मानते रहे, वहीं दूसरी ओर आलोचक उन्हें विभाजनकारी और संस्थाओं को कमजोर करने वाला नेता बताते रहे। ट्रंप की लोकप्रियता दरअसल इस बात का प्रतीक बनी कि दुनिया भर में राजनीति अब सहमति नहीं, बल्कि ध्रुवीकरण से चल रही है।

बहरहाल, 2025 ने यह साफ कर दिया कि दुनिया अब पुराने संतुलन की ओर नहीं लौटने वाली। सत्ता परिवर्तन, तख्तापलट, युद्ध और वैचारिक टकराव आने वाले वर्षों की भूमिका लिख चुके हैं। यह साल इस सच्चाई का आईना बन गया कि शांति अब अपवाद बनती जा रही है और संघर्ष नई सामान्य स्थिति। यदि वैश्विक नेतृत्व ने समय रहते संवाद, कूटनीति और सहयोग का रास्ता नहीं चुना, तो 2025 आने वाले बड़े संकटों की शुरूआत साबित होगा।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

रूस का यूक्रेन को दो टूक: शांति नहीं तो मिसाइलों का वार, पुतिन की सख्त चेतावनी

(एजेन्सी)।

यूक्रेन युद्ध को लेकर एक बार फिर तनाव बढ़ता दिख रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि अगर कीव सरकार शांति वार्ता के लिए तैयार नहीं होती है, तो रूस अपने सैन्य अभियान के जरिए सभी लक्ष्य हासिल करेगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब एक दिन बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच अहम बातचीत होने वाली है।

बता दें कि रूसी समाचार एजेंसी तास के मुताबिक, पुतिन ने कहा कि अगर कीव शांति के रास्ते पर आगे नहीं बढ़ता है तो मॉस्को सैन्य ताकत के जरिए अपने उद्देश्य पूरे करेगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यूक्रेन फिलहाल संघर्ष को शांतिपूर्ण ढंग से खत्म करने में कोई गंभीर रुचि नहीं दिखा रहा है। गौरतलब है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को कई साल बीत चुके हैं और इस संघर्ष ने यूरोप समेत पूरी दुनिया की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाला है। हाल के दिनों में रूस ने हमलों की तीव्रता बढ़ाई है, वहीं यूक्रेन को पश्चिमी देशों से लगातार सैन्य और आर्थिक समर्थन मिल रहा है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, जेलेंस्की और ट्रंप की प्रस्तावित मुलाकात को इस संघर्ष के समाधान की दिशा में अहम माना जा रहा है। हालांकि पुतिन के ताजा बयान से यह संकेत मिल रहा है कि रूस किसी भी कीमत पर अपने रणनीतिक लक्ष्य छोड़ने के मूड में नहीं है।

रूस का कहना है कि वह बातचीत के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसकी शर्तों को नजरअंदाज कर शांति संभव नहीं है। वहीं, यूक्रेन लगातार अपनी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता पर समझौता न करने की बात दोहरा रहा है, जिससे आने वाले दिनों में कूटनीतिक तनाव और बढ़ सकता है।

चांदी के वायदा भाव में छह प्रतिशत की तेजी

(एजेन्सी)।

मजबूत निवेशक मांग एवं सकारात्मक वैश्विक रुझानों के बीच वायदा कारोबार में सोमवार को चांदी की कीमत में लगातार छठे सत्र में रिकॉर्ड तोड़ तेजी जारी रही और यह छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,54,174 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। चांदी की कीमत में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में मार्च 2026 में आपूर्ति वाले अनुबंधों की कीमत 14,387 रुपये यानी छह प्रतिशत चढ़कर 2,54,174 रुपये प्रति किलोग्राम के अबतक के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुझानों को देखते हुए व्यापारियों द्वारा चांदी की जमकर खरीदारी की जा रही है। इस बीच, सोने की कीमतों में भी तेजी जारी रही और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में फरवरी 2026 में आपूर्ति वाले अनुबंधों का भाव 357 रुपये यानी 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ रिकॉर्ड 1,40,230 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

शुक्रवार को इसकी कीमत 1,40,465 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। वैश्विक स्तर पर भी सोना व चांदी की कीमतों में तेजी रही। कॉमेक्स सोने का वायदा भाव 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ रिकॉर्ड 4,536.80 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। चांदी का वायदा भाव पहली बार 80 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गया। यह 7.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 82.67 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा।

शाहबाग में इंकलाब मंचो का हंगामा जारी

(एजेन्सी)।

शरीफ उस्मान हादी की हत्या के आरोपियों के मुकदमे की मांग को लेकर इंकलाब मंचो ने सोमवार को लगातार चौथे दिन ढाका के शाहबाग चौराहे पर नाकाबंदी जारी रखी। यह विरोध प्रदर्शन शुक्रवार को शुरू हुआ, जब प्रदर्शनकारियों ने कड़ाके की ठंड के बावजूद रात भर व्यस्त चौराहे पर कब्जा जमाए रखा। तब से, नाकाबंदी प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से लागू है, जिसमें विभिन्न पेशेवर समूहों और राजनीतिक पृष्ठभूमि के लोग शामिल हो रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान, प्रदर्शनकारियों ने हादी के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगाए, साथ ही विरोध प्रदर्शन के हिस्से के रूप में गीत और कविता पाठ भी किए गए। महिलाएं और बच्चे भी तख्तियां, झंडे और पोस्टर लेकर धरने में शामिल हुए। आयोजकों ने उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मुख्य मंच के पास एक अलग स्थान की व्यवस्था की। इंकलाब मंचो के सदस्य सचिव अब्दुल्ला अल जाबेर ने चार सूत्री मांगें रखीं, जिनमें हादी की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही पूरी करने के लिए सरकार को 24 दिन का अल्टीमेटम देना भी शामिल था।

द डेली स्टार के अनुसार, इस मंच ने भारत विरोधी बयानबाजी भी की और बांग्लादेश में भारतीय नागरिकों के वर्क परमिट निलंबित करने की मांग की। व्यापक बंद कार्यक्रम के तहत, इंकलाब मंचो के नेताओं और समर्थकों ने रविवार को कई संभागीय शहरों में इसी तरह की नाकाबंदी की। प्रदर्शनकारी अधिकारियों पर दबाव बढ़ाने के लिए निर्धारित समय से पहले शाहबाग लौट आए। पर्यावरण सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन और ढाका महानगर पुलिस आयुक्त शेख मोहम्मद सज्जात अली ने घटनास्थल का दौरा किया और प्रदर्शनकारियों को जांच की स्थिति के बारे में जानकारी दी। सलाहकार ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि अंतरिम सरकार दोषियों और पर्दे के पीछे शामिल लोगों की पहचान करने और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है।

बॉर्डर 2 का 'घर कब आओगे' टीजर जारी

(एजेन्सी)। बॉर्डर 2 के मेकर्स ने आखिरकार फिल्म के इमोशनल एंथम, घर कब आओगे का बहुप्रतीक्षित टीजर जारी कर दिया है, और यह पहले से ही दर्शकों के दिलों को छू रहा है। 29 दिसंबर को रिलीज हुआ 47 सेकंड का टीजर ओरिजिनल बॉर्डर की यादें ताजा करता है, साथ ही आज की पीढ़ी के लिए एक नई इमोशनल लेयर भी जोड़ता है। यह गाना, जो कई लोगों के दिलों में एक खास जगह रखता है, उसे सोनू निगम, अरिजीत सिंह, विशाल मिश्रा और दिलजीत दोसांझ की दमदार आवाज में रिक्रिएट किया गया है। अनु मलिक द्वारा कंपोज किया गया ओरिजिनल वर्ज़न अपने समय के सबसे इमोशनल देशभक्ति गानों में से एक था। मिथुन द्वारा रिक्रिएट किया गया यह नया वर्ज़न उसी आत्मा को लिए हुए है, लेकिन एक मॉडर्न टच के साथ। खास बात यह है कि ओरिजिनल गाने का संगीत अनु मलिक ने कंपोज किया था, और इसे मिथुन ने रिक्रिएट किया है। 47 सेकंड लंबे टीजर को YouTube पर रिलीज होने के बाद से 825K से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। वीडियो शेयर करते हुए, टी-सीरीज के ऑफिशियल YouTube चैनल ने लिखा, "भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े म्यूज़िकल कोलैबोरेशन को देखने के लिए तैयार हो जाइए। हर दिल में बसने वाले सदाबहार देशभक्ति एंथम, "घर कब आओगे" का सबसे प्रतीक्षित टीजर पेश है, #BORDER2 से (sic)।" यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पूरा गाना 2 जनवरी, 2026 को रिलीज होगा। जबकि, फिल्म, बॉर्डर 2, 23 जनवरी, 2026 को रिलीज होने वाली है। सोशल मीडिया यूजर्स ने टीजर पर अपने विचार शेयर किए हैं। एक यूजर ने लिखा, "अरिजीत सिंह की आवाज अलग ही असर करती है (sic)।" एक और YouTube यूजर ने सिंगर्स के कोलैबोरेशन की तारीफ करते हुए कहा, "यार, एक गाने में 3 सबसे सोलफुल सिंगर। सोनू निगम, अरिजीत सिंह और विशाल मिश्रा। इसका बेसब्री से इंतजार है (sic)। हिंदी भाषा की वॉर ड्रामा फि ल्म बॉर्डर 2 में सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और अन्य जैसे कई बड़े कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसे अनुराग सिंह ने डायरेक्ट किया है और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने टी-सीरीज और जेपी फि ल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है।

स्मृति-शैफाली का जलवा, भारत की धमाकेदार जीत

(एजेन्सी)।

हल्की गर्माहट भरे माहौल में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को 30 रन से हराकर सीरीज में 4-0 की अजेय बढ़त बना ली है। मुकाबले के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने स्वीकार किया कि अंतिम ओवरों में टीम को ओवर रेट को लेकर सतर्क रहना पड़ा और उन्होंने गेंदबाजों को तेजी से ओवर पूरे करने के निर्देश दिए थे।

बता दें कि श्रीलंका की पारी के आखिरी ओवरों में हरमनप्रीत काफी सक्रिय नजर आईं और लगातार खिलाड़ियों को पोजीशन व टाइमिंग को लेकर समझाती दिखीं। मैच के बाद उन्होंने कहा कि समय कम पड़ रहा था और वह नहीं चाहती थीं कि टीम पर अतिरिक्त फील्डर पेनल्टी लगे।

गौरतलब है कि भारत की जीत की नींव स्मृति मंधाना और शफाली वर्मा की रिकॉर्ड साझेदारी ने रखी। दोनों ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। मंधाना ने 80 रन जबकि शफाली ने 79 रन की पारी खेली। इसके बाद ऋचा घोष और हरमनप्रीत ने पारी को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाया।

मौजूद जानकारी के अनुसार, गेंदबाजी में वैष्णवी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 विकेट 24 रन पर लिए और श्रीलंका की रनगति पर ब्रेक लगाया।

मैच के बाद हरमनप्रीत ने संकेत दिए कि अंतिम टी20 में टीम संयोजन में बदलाव हो सकता है और कुछ खिलाड़ियों को मौका दिया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि शुरूआत में हरलीन देओल को भेजने की योजना थी, लेकिन मैच की परिस्थिति को देखते हुए ऋचा को पहले भेजा गया।

प्लेयर ऑफ द मैच रहीं स्मृति मंधाना ने कहा कि लंबे समय तक वनडे खेलने के बाद टी20 में ढलना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन अभ्यास और योजना ने मदद की। उन्होंने शफाली की तारीफ करते हुए कहा कि उनके साथ बल्लेबाजी करना हमेशा खास होता है।

श्रीलंका की कप्तान चमारी अट्टापट्टू ने हार के बावजूद टीम के प्रदर्शन में सुधार की बात कही। उन्होंने माना कि बल्लेबाजी बेहतर हुई है लेकिन पावर हिटिंग में अभी और मेहनत की जरूरत है। कुल मिलाकर भारत ने सीरीज में अपना दबदबा बनाए रखा है और अब आखिरी मुकाबले में युवा खिलाड़ियों को आजमाने की संभावना जताई जा रही है।

ठंडे मौसम का गार्म फैशन

विंटर में आप मोनोक्रोम ड्रेसेस (सिंगल कलर की ड्रेस) या मिक्स एण्ड मैच दोनों तरह की ड्रेसिंग स्टाइल को ट्राय कर सकते हैं। मिनी स्कर्ट के साथ लैगिंग्स का कॉम्बिनेशन लुक में लाजवाब होता है। लैगिंग्स के फेब्रिक में चैंज चाहने वाले फैशन प्रेमी ऊनी लैगिंग्स भी ट्राय कर सकते हैं।

ठंड ने न केवल दस्तक दे दी है बल्कि यह अपना असर भी दिखाने लगी है। फैशन के लिहाज से यह मौसम युवाओं के लिए अनुकूल होता है। और इसमें में भी यदि बात वूलन फैशन की हो तो क्या कहने। लेदर के साथ ही युवाओं में वूलन के प्रति क्रेज बना हुआ है। प्रस्तुत हैं वूलन फैशन को लेकर कुछ उपयोगी जानकारियां:-

वूलन में देखिए फील गुड फैक्टर

➤ वूलन बहुत ही ड्यूरेबल होते हैं। इनमें इतने कलर्स और डिफरंट पैटर्न की डिजाइन उपलब्ध हैं कि इन्हें ट्राई कर आप अपना एक बहुत ही सॉफ्ट, हॉट और स्टाइलिश फैशन स्टेटमेंट बना सकते हैं। चाहे मफलर हो, स्वेटर हो या फिर कैप ही क्यों न हो ये खूबसूरत लगते हैं।

इसलिए अपने रंग के अनुसार कलर चुनें और अपनी सुविधा का सबसे ज्यादा खयाल रखें। यानी फैशन का अंधानुकरण न करें। जो आप पर फबे, जचे और सुविधाजनक लगे वही फैशन अपनाएं।

➤ आप स्वेटर खरीदें या मफलर ये जरूर देख लें कि फेब्रिक की कम्पोजिशन क्या है। लेबल देखें। सही साइज देखें और सुनिश्चित कर लें कि यह आपके लिए सूटेबल है।

➤ यह ध्यान से देखें कि आप जो खरीद रहे हैं वह वेल मेड है कि नहीं। टॉप स्टीचिंग इवन होने चाहिए। लाइनिंग में पिकरिंग न हो। और किसी भी तरह का कोई लूज थ्रेड न हो। इन बातों का खास खयाल रखें।

➤ आप जिस फेब्रिक को खरीद रहें, क्या वह पहनने और चलने के बाद नाइसली फ्लो हो रहा है? क्या फेब्रिक का वेट आपको ठीक लग रहा है?

➤ ध्यान रखें कि आपने जो भी चीज खरीदी है वह आपकी बॉडी अगेंस्ट फील गुड करा रही है या नहीं। वह चुभने वाली या गड़ने वाली न हो।

स्कर्ट के साथ शार्ट जैकेट की बजाय थ्री फोर्थ या लांग जैकेट पहनें। लांग जैकेट को आप साड़ी सूट, शर्ट आदि के साथ भी पहन सकते हैं। शॉल की बजाय स्टोल लुक व उपयोग दोनों के लिहाज से बेहतर माने जाते हैं।

इस सीजन में दो डिफरेंट रंगों के कॉम्बिनेशन को ट्राय करें। अर्दी शेड वाली ड्रेस पर ब्राइट कलर का फंकी जैकेट या स्कार्फ ट्राय करें।

एक्सपर्ट व्यू

विंटर में जंपर्स का कोई विकल्प नहीं है। कूल और कंफर्टेबल जंपर्स को आप कोट के साथ भी पहन सकते हैं। ब्लैक कोट का फैशन इस बार भी विंटर में इन रहेगा। ब्लैक कोट के साथ आप ऑरेंज, रेड और ग्रीन कलर का स्कार्फ या मफलर ट्राय कर ट्रेंडी लुक पा सकते हैं। फेब्रिक में शिमर के साथ ही मैटल और प्लास्टिक शाइन वाले फेब्रिक्स को ट्राय किया जा सकता है। पोल्का डॉट्स, अलग-अलग नेक पैटर्न्स वाले फर और फेदर के जैकेट, एनिमल प्रिंट्स आदि की डिमांड इस सीजन में खूब रहेगी।

इक बंगला बने न्यारा...

नए घर का निर्माण, वास्तु के अनुसार

➤ भूखंड पर किसी भी प्रकार का जल संसाधन लगवाना हो तो इसके लिए सदैव (हैण्डपम्प, कुंआ, जेटपम्प आदि के लिए) उत्तर-पूर्व दिशा अर्थात ईशान कोण ही सही रहता है।
➤ भवन में खिड़कियां तथा रोशनदानों के निर्माण का प्रमुख उद्देश्य घर में शुद्ध वायु का आगमन है।
➤ खिड़कियां तथा रोशन दानों का निर्माण सदैव दरवाजे के पास ही करें।
➤ दरवाजे के सामने या बराबर में खिड़कियां होने से चुंबकीय चक्र पूर्ण हो जाता है, जिससे भवन में सुख-शांति का वास होता है।
➤ खिड़की तथा रोशनदानों के निर्माण के लिए पूर्व, पश्चिम तथा उत्तर दिशा श्रेष्ठ एक शुभ फलदायक होती है।
➤ वायु प्रदूषण से बचाव के लिए घरों में शुद्ध वायु जिन दिशाओं से प्रवेश करे उनके विपरीत दिशाओं में एक्जॉस्ट फैन लगवाएं।
➤ भवन के उस भाग में जहां दो दीवारें मिलती हैं, खिड़कियां तथा रोशनदानों का निर्माण वहां न करवाएं। यह अशुभकारी निर्माण होता है।
➤ जब कोई व्यक्ति मुख्यद्वार में प्रवेश करता है तो मुख्य द्वार से निकलने वाली चुम्बकीय तरंगें उसकी बुद्धि को प्रभावित करती हैं।
➤ द्वार का भी सही दिशा में बनवाना आवश्यक है।
➤ प्रवेश द्वार सदैव अंदर की ओर खुलना चाहिए।
➤ प्रवेश द्वार दो पल्लों में हो तो बहुत ही उत्तम है।
➤ द्वार स्वतः ही खुलना व बंद होना नहीं चाहिए।

जायकेदार बादाम-पिस्ते का हलवा

समग्रीः- 100 ग्राम बादाम गिरी, 100 ग्राम पिस्ता, 150 ग्राम सूखी मलाई, 125 ग्राम मावा, 300 ग्राम शक्कर, 3-4 केसर लच्छे, हरी इलायची पावडर आधा चम्मच, 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल, 125 ग्राम देशी घी।

विधिः- सर्वप्रथम मावे को दबा कर छलनी से मोटा-मोटा छान लें और मलाई की पतली स्ट्रिप्स काट लें। हलवा बनाने से 6-8 घंटे पूर्व बादाम पानी में भिगो दें।

तत्पश्चात बादाम के छिलके उतार कर मिक्सी में पीस लें। अब पिस्ता भी रवेदार पीस लें। कड़ाही में घी गरम कर बादाम को पानी सूख जाने तक भूनें। फिर पिस्ता डालकर तब तक सेकें, जब तक सिंकने की खुशबू न आए। अब इसमें मावा मिलाएं और थोड़ी देर और सेंक लें। मलाई डालकर 5 मिनट सेंकें। जब सिंकने की खुशबू आने लगे तब आंच से उतारें और केसर-इलायची व गुलाब जल मिला दें। शक्कर की 2 तार की चाशनी बना लें, इसमें मिश्रण डालें और गरमा-गरम मेवे का हलवा पेश करें।

पौष्टिक बादाम मिल्क

सामग्रीः- एक लीटर गाढ़ा दूध, 25 भीगे हुए बादाम, 100 चम्मच चीनी, आधा चम्मच इलायची पावडर, केसर कुछेक लच्छे।

विधिः- रात को भिगोए हुए बादाम का छिलका निकाल कर उसे मिक्सी में महीन पीस लें। एक कटोरी में थोड़ी मात्रा में दूध लेकर उसमें केसर भिगो दें। दूध को थोड़ी देर तक उबालें, फिर उसमें बादाम का पेस्ट मिलाइए। दूध को धीरे-धीरे हिलाते रहें ताकि वो तले पर चिपके नहीं। बादामयुक्त दूध को 20-25 मिनट तक पकाएं, फिर शक्कर डालें और थोडी देर तक पकाएं। अब इलायची और केसर घोल मिलाएं। गिलासों में भरकर बादाम का पौष्टिक दूध पेश करें। प्रचुर मात्रा में आयरन और कैल्शियम वाला यह दूध आपके शरीर के लिए फायदेमंद है।

स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चन्द्र ने स्वच्छता का किया निरीक्षण

वाइस चेयरमैन सुभाष चन्द्र ने डोर टू डोर सफाई एजेंसी के सुपरवाइजर को लगाई लताड़

संजना भारती संवाददाता

असंध। असंध में सभी विभागों के अधिकारियों की मीटिंग लेते व स्वच्छता का निरीक्षण करते स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चन्द्र ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि असंध को स्वच्छता में अव्वल स्थान पर लाना है। वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने बस अड्डे में पहुंचकर वहां की सफाई व्यवस्था का जायजा भी लिया वहां के शौचालय की दुर्दशा देखकर उन्होंने तुरंत बस अड्डा इंचार्ज को मौके पर बुलाकर सफाई व्यवस्था के बारे में कड़े निर्देश देते हुए कहा कि सफाई व्यवस्था को सुधारा जाए। सफीदों रोड पर पिछले कई दिनों से नल से निकला हुआ कचरे को उठाने की शिकायत दुकानदारों ने जब सुभाष चंद्र से की तो उन्होंने तुरंत मौके पर नगर पालिका सचिव को बुलाकर तुरंत कूड़ा उठाने के निर्देश दिए। दुकानदारों की दुकानों के आगे पड़े कूड़े को तुरंत प्रभाव से उठाया गया जिससे दुकानदारों ने सुभाष चंद्र वॉइस कार्यकारी वाइस चेयरमैन के बुरी बुरी प्रशंसा भी की। फ्रूट मार्केट व सब्जी मंडी के पीछे कूड़े के स्थल पर जाकर वहां पर गंदगी के लगे देर को देखकर डोर टु डोर कचरा उठाने वाले एजेंसी के सुपरवाइजर को लताड़ लगाते हुए कहा कि शहर में सफाई व्यवस्था को सुधारा जाए और जितने भी पॉइंट है उन पर पड़े कचरे को उठाने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने नगर पालिका सचिव को निर्देश देते हुए कहा कि डोर टू डोर एजेंसी को नोटिस दिया जाए।

इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में असंध को मिले अव्वल स्थान सभी विभाग नगर पालिका का सहयोग करें। इस दौरान उनके साथ चेयरपर्सन श्रीमती सुनीता रानी, पार्षद प्रतिनिधि विजय गर्ग, उमेद सिंह, नगर पालिका सचिव प्रदीप जैन, एसडीओ पब्लिक हेल्थ मार्केटिंग बोर्ड सहित अन्य मौजूद रहे।

गांधी आश्रम मोहल्लावासियों ने विधायक अवधेश सिंह का किया भव्य स्वागत

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। विधायक, अवधेश सिंह रविवार को दोपहर में 105 वर्ष से अधिक पुराना ऐतिहासिक स्थल गांधी आश्रम परिसर पहुंचे। इसके बाद इस परिसर स्थित गांधी स्मारक पुस्तकालय में गये जहां पर गांधी आश्रम मोहल्ला निवासी अधिकाधिक संख्या में उनका फूल माला और पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

इस क्रम में एक बुजुर्ग मोहल्ला निवासी, रवीन्द्र कुमार ने कहा कि जहां तक काम की बात है तो एक ही दिन में स्वर्ग नहीं बनाया जा सकता है और हमारे विधायक में क्षमता है। इसलिए जो भी काम हो रहा है अच्छे ढंग से हो रहा है।इसके बाद दर्जनाधिक्य लोगों ने अपनी-अपनी बात रखी जिसे ध्यान पूर्वक विधायक ने मोहल्लावासियों की समस्याएं सुनीं। मुख्यतः नाला निर्माण और नाला सफाई, सिवरेज, बरसात के दिनों में जलजमाव और जल निकासी, नल-जल से संबंधित, कचड़ा प्रबंधन, सहित गांधी आश्रम पार्क स्थित ऐतिहासिक चबूतरा के पीलर पर भारत माता की मूर्ति स्थापित करने संबंधी तथा बचे हुए जगहों पर स्ट्रीट लाइट की बातें सामने आई। इस पर विधायक, अवधेश सिंह ने भरोसा दिलाया कि जो भी समस्याएं हैं उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे और शीघ्र ही उन्हें पूरा किया जाएगा।इसके बाद वे मोहल्ला वासियों के आग्रह पर पैदल ऐतिहासिक गांधी आश्रम की दीवार से सटे गांधी आश्रम मोहल्ला की दक्षिण दिशा वाली प्राचीन सड़क से होते हुए घुड़दौड़ पोखर तक गये और फिर वहां से उत्तर दिशा की ओर जानेवाली सडक से होकर रामाशीष चौक गोलंबर के पहले के तिमुहाने तक पहुंचकर वहां से प्रस्थान किए।

इस क्रम में उन्होंने यह भी भरोसा दिया कि व्यवहारिक रूप से जो समस्याएं सामने आई है उन्हें नगर परिषद सहित संबंधित एजेंसी को बता दी जाएगी ताकि समाधान हो सके। उनके इन बातों को सुनकर मोहल्लावासियों ने करतल ध्वनि से धन्यवाद किया।

जिला पुलिस का सड़क सुरक्षा अभियान

गलत लेन, वाहन से ध्वनि प्रदूषण, लाल नीली बत्ती का इस्तेमाल तथा नशा करके वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। पुलिस महानिरीक्षक यातायात एवं हाईवे हरियाणा के आदेशानुसार, एसपी उपासना के कुशल नेतृत्व में जिला पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सड़क हादसों की रोकथाम के उद्देश्य से 22 दिसंबर से 28 दिसंबर तक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत ट्रैफिक पुलिस टीम द्वारा गलत लेन में वाहन, लाल नीली बत्ती का इस्तेमाल व नशा करके वाहन चलाने वालों तथा प्रेशर हॉर्न व बुलेट बाइक से पटाखे बजाकर या अन्य तरीके से ध्वनि प्रदूषण करने वाले चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान गलत लेन में वाहन चलाने के 34, ध्वनि प्रदूषण करने के 2, लाल नीली बत्ती इस्तेमाल के 40 तथा शराब पीकर वाहन चलाने वाले 9 वाहन चालकों के चालान काटे गए।

पुलिस ने इस दौरान सभी वाहन चालकों को भी यातायात नियमों की पालना करने, सुरक्षित गति से वाहन चलाने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने की सख्त हिदायत दी। एसपी उपासना ने बताया कि जिला पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर ऐसे विशेष अभियान लगातार चलाए जाएंगे। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई के साथ-साथ आमजन को यातायात जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नियमों की जानकारी भी दी जाएगी, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके और सड़क पर सभी की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

सी एच सी राजौंद में 31 जनवरी को विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन होगा: एसएमओ डा. संदीप सिंह

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद में दिनांक 31 दिसंबर को एक विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। एसएमओ डा. संदीप सिंह ने बताया कि इस विशेष शिविर में मुलाना मेडिकल कॉलेज से अनुभवी स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की टीम पहुंचकर मरीजों की विभिन्न बीमारियों की जांच व परामर्श देगी।

इस स्वास्थ्य जांच शिविर का मुख्य उद्देश्य राजौंद व इसके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। शिविर में सामान्य रोगों के साथ-साथ हड्डी रोग, महिला रोग, बाल रोग, नेत्र रोग, त्वचा रोग सहित अन्य विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। मरीजों को अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिए बड़े अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और उन्हें एक ही स्थान पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं मिल सकेंगी।

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने परिजनों एवं परिचितों को भी शिविर की जानकारी दें। उन्होंने

■ मुलाना मेडिकल कॉलेज के स्पेशलिस्ट डॉक्टर करेंगे मरीजों की जांच

एसएमओ डा. संदीप सिंह।

सभी सामाजिक संगठनों, ग्राम प्रतिनिधियों और आम जनता से शिविर में पहुंच कर चिकित्सीय लाभ उठाने का अनुरोध किया है।

यह शिविर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आमजन को समय पर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

परिचित की डीपी वाले अनजान मोबाइल नंबर से पैसे मांगने पर हो जाए सावधान

पुष्टि किए बगैर किसी के पास पैसा नहीं करें ट्रांसफर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। प्रायः देखने में आ रहा है कि आजकल साइबर ठग तरह तरह के तरीके अपनाकर आमजन को साइबर ठगी का शिकार बनाकर पैसे ठग रहे है। पुलिस विभाग द्वारा आमजन को साइबर ठगो से सावधान करते हुए जागरूक किया जा रहा है। ऐसे ही एक तरीका परिचित की प्रोफाइल फोटो लगाकर अनजान नंबर से पैसो की डिमांड करने का है। इस बारे एसपी उपासना द्वारा एडवाइजरी जारी करते हुए आमजन को सतर्क रहने का आग्रह किया गया है। वारदात का तरीका बताते हुए एसपी उपासना ने कहा कि साइबर ठग आमजन को व्हाट्सएप पर उनके परिचित की प्रोफाइल फोटो(डीपी) लगाकर अनजान नंबर से मैसेज करते है कि उसे तुरंत रुपये की आवश्यकता है। कृपा मेरे पास

एसपी उपासना।

पैसे ट्रांसफर करें, मैं कल आपको पैसे वापिस कर दुंगा। साइबर ठग उनका एक नंबर देते है और उसमें पैसा ट्रांसफर करने के लिए कहते है। एसपी ने कहा कि इस साइबर ठगी में हमारा जीमेल अकाउंट हैक होना भी शामिल हैं जो ठग जीमेल हैक करके उससे ही हमारे परिचित के मोबाइल नम्बर प्राप्त करके अलग व्हाट्सएप अकाउंट बनाकर उन नम्बर पर मैसेज करते हैं। ऐसी स्थिति में आप तुरंत पैसा ट्रांसफर ना करें। आपके परिचित के असली नंबर पर कॉल करके इसकी पुष्टि करें कि आपके परिचित को पैसे का आवश्यकता है या नहीं। अपना जीमेल अकाउंट का पासवर्ड मजबूत बनाए जिससे जीमेल अकाउंट आसानी से हैक ना हो सके। जाने अनजाने में साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें।

यूपीआई के नए नियम अनुसार पहली बार 2000 या इससे अधिक की ट्रांजैक्शन को 4 घंटे के भीतर रिवर्स किया जा सकता है। सतर्क व सचेत रहकर अपने पैसे की सुरक्षा करें।

श्री खाटू श्याम परिवार असंध ने जरुरतमंद बच्चों को जर्सियां व ब्लेजर किए वितरित

जरुरतमंदों की मदद करना पुण्य का कार्यः योगेश कंसल

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। जरूरतमंदों की मदद करने से बड़ा पुण्य का कोई कार्य नहीं है। हर व्यक्ति को गरीब व जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आना चाहिए।

उपरोक्त विचार श्री खाटू श्याम परिवार असंध के प्रधान योगेश कंसल ने राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जरुरतमंद बच्चों को जर्सियां, ब्लेजर वितरित करने के बाद कहे। बच्चों को 150 जर्सियां, 55 ब्लेजर व 250 टोपी वितरित की गई। प्रधान योगेश कंसल, श्रवण गर्ग, डॉ. श्रीराम शर्मा, दीपक मित्तल व दिनेश बिंदल का प्रधानाचार्य अजमेर सिंह सिंधु ने फुल मालाए पहनाकर स्वागत किया।

मंच का संचालन प्राध्यापक डॉ.भूपेंद्र सिंह ने किया। योगेश कंसल ने कहा कि जरुरतमंद बच्चों की सहायता करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का भी ध्यान रखना जरूरी है, ताकि वे बेहतर भविष्य की

ओर अग्रसर हो सके। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी श्री खाटू श्याम परिवार असंध द्वारा इसी तरह से सेवा के कार्य जारी रहेंगें।

स्कूल प्रधानाचार्य अजमेर सिंह सिंधु ने श्री खाटू श्याम परिवार असंध के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ठंड के मौसम में गर्म वस्त्र जरुरतमंद बच्चों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होते। उन्होंने कहा कि सेवा भाव से किए गए कार्य ही समाज को मजबूत बनाते है और जरुरतमंदों के जीवन में बदलाव लाते है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी श्री खाटू श्याम परिवार की ओर स्कूल में एक वाटर कूलर, बच्चों को 300 जोड़ी जूत्ते व 100 ब्लेजर वितरित किए जा चुके है। प्रधानाचार्य ने श्री खाटू श्याम परिवार असंध के सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विशाल गोयल, रोशन बिंदल, प्रदीप पांचाल, अंशुल गर्ग, वीरेंद्र गोयल, राजेश गर्ग, सुरेन्द्र अत्री व प्राध्यापक तिलकराज सहित अन्य स्कूल स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

आज धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटने का प्रयास किया जा रहा है: कुमारी सैलजा

एसबी विशेष संवाददाता

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा हमेशा देश के गरीब, किसान, मजदूर और वंचित वर्ग के साथ खड़ी रही है, लेकिन धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटने का प्रयास किया जा रहा है, संविधान को खत्म करने की साजिश की जा रही है पर कांग्रेस लोगों के हकों और संविधान की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी। कांग्रेस की विचारधारा ही देश को जोड़ने वाली शक्ति है और इसी रास्ते पर चलकर ही भारत को मजबूत, समावेशी और न्यायपूर्ण बनाया जा सकता है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस ही वह पार्टी है जिसने देश को आजादी दिलाई और संविधान के माध्यम से हर नागरिक को समान अधिकार दिए। सांसद ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान देश की आत्मा है और आज उसे कमजोर करने की कोशिशें हो रही हैं। ऐसे समय में कांग्रेस का दायित्व और बढ़ जाता है कि वह संविधान की रक्षा के लिए सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष करे। कुमारी सैलजा ने विशेष रूप से ग्रामीण गरीब और मजदूर वर्ग की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर किया जा रहा है। मनरेगा ने ग्रामीण भारत को रोजगार देने के साथ-साथ पलायन रोकने में बड़ी भूमिका निभाई है, लेकिन वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण यह योजना लगातार प्रभावित हो रही है। बजट में कटौती और काम के दिनों में कमी से गरीब परिवारों की आजीविका पर सीधा असर पड़ रहा है।

सांसद कुमारी सैलजा ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि अरावली सिर्फ पहाड़ नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन, जल संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि अरावली क्षेत्र में बढ़ता खनन और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी गंभीर चिंता का विषय है, जिस पर सरकार को तुरंत सख्त कदम उठाने चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक न्याय और गरीबों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती आई है और आगे भी पूरी मजबूती से जनता की आवाज उठाती रहेगी।

दिल्ली-एनसीआर में ग्वालियर के मरीजों का सहारा बनेगा शारदा केयर हॉस्पिटल, अब आयुष्मान योजना के तहत होगा सम्पूर्ण इलाज

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

नई दिल्ली/ग्वालियर। दिल्ली-एनसीआर के ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा केयर अस्पताल में अब मध्यप्रदेश के ग्वालियर इलाके से इलाज के लिए आने वाले मरीजों का अब आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज होगा। इस बात की जानकारी दिल्ली शारदा केयर हॉस्पिटल के अधिकारियों ने दी। इस हेतु गत रविवार को ग्वालियर के होटल लैंडमार्क में एक सीएमई का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से ग्वालियर के डॉक्टर टीम को अपनी विशेषताओं से अवगत करवाते हुए इस बात की जानकारी दी गई।

इस मौके पर बताया गया कि शारदा केयर हॉस्पिटल आयुष्मान कार्ड से समस्त सर्जरी एवं मेडिसिन डिपार्टमेंट का पूरा इलाज करता है। जिसका लाभ अब ग्वालियर के लोग भी उठा सकते हैं। बताया जाता है कि शारदा केयर हॉस्पिटल जो एक नॉन प्रॉफिटेबल हॉस्पिटल है, इसका मुख्य उद्देश्य कम खर्च में विश्वस्तरीय सुविधाएं देने का है। इस मौके पर शारदा केयर हॉस्पिटल की दिल्ली एनसीआर यूनिट से आए

मीडिया कम्युनिकेशन एंड मार्केटिंग प्रबंधक गौरव पाण्डेय ने बताया कि ग्वालियर एवं अन्य जगह से अगर कोई मरीज दिल्ली की चिकित्सा सहायता चाहता है तो वो शारदा हॉस्पिटल आए, उसकी चिकित्सा संबंधी सभी तरह की सहायता हॉस्पिटल प्रबंधन करेगा।

गौरतलब है कि ग्वालियर में इस कार्यक्रम का आयोजन टी.एम. अनिकेत सेंगर एवं रवि शर्मा के द्वारा करवाया गया था, जिसका उद्देश्य ग्वालियर शहर के मरीजों को आयुष्मान योजना का लाभ दिलाकर सस्ता व निःशुल्क इलाज करवाने के लिए उन्हें प्रेरित करना है।

समस्तीपुर जिला के खानपुर थाना में पहली बार इंस्पेक्टर रैंक के नये थानाध्यक्ष के रूप में शिवपूजन कुमार ने किया पदभार ग्रहण

संजना भारती संवाददाता

अर्जुन कुमार झा

■ खानपुर थाना में पहली बार 2009 बैच, इंस्पेक्टर रैंक के नए थानाध्यक्ष के रूप में किया पदभार ग्रहण

समस्तीपुर। खानपुर थाना में शुक्रवार को अपराह्न में 2009 बैच के इंस्पेक्टर रैंक के शिवपूजन कुमार ने खानपुर थाना के नए थानाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। इंस्पेक्टर रैंक के शिवपूजन कुमार ने थानाध्यक्ष के रूप में योगदान करते हुए उन्होंने ने बताया कि मेरी पहली प्राथमिकता थाना क्षेत्र में शांति स्थापित करना, अपराधियो व शराब कारोबारी पर पूरी तरह से लगाम लगाना, पीड़ित लोगों को न्याय दिलाना एंव पुलिस और पब्लिक के बीच अच्छा संबंध स्थापित करना यही मेरा पहली प्राथमिकता होगा।

वही उन्होंने इसके लिए क्षेत्र के आम लोगों से अपील किये की पुलिस को मदद करे ताकि अपराधियों व शराब कारोबारियों, एवं उपद्रवियों ससमय कारबाई हो सके।तथा उन्होंने आगे कहा कि किसी भी सूरत में शराब कारोबारीयो व अपराधी एंव अशांति फैलाने वाले बख्शे नहीं जाएगें। अच्छे लोगों का सम्मान करना व अशांति फैलाने वालों लोगों तथा आपराधिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी।

वही दिनांक-26/12/2025 को अपराह्न में 2009 बैच के इंस्पेक्टर शिवपूजन कुमार खानपुर थाना में नए थानाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण करने पर खानपुर थाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधियो व बुद्धिजीवियों एवं आमजन ने खुशी व्यक्त किया है की खानपुर थाना में पहली बार 2009 बैच के नए थानाध्यक्ष बने है। अब कम से कम अपराधियो, शराब कारोबारों व असमाजिक तत्वों पर लगाम लग सकेगा। जिससे खानपुर थाना क्षेत्र में अमनजैन एंव शांति व्यवस्था कायम होने की उमीद लग रहा है।

भादसो स्कूल में 700 गरीब बच्चों को बांटे जूते, नशे के खिलाफ दिलाई शपथ: उपायुक्त

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। भादसो के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सर्व कल्याण हरियाणा मंच के सहयोग से गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों के लिए जूता वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज सेवा के साथ-साथ नशा मुक्ति का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला उपायुक्त उत्तम सिंह ने स्कूली बच्चों को नशे के खिलाफ शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशा समाज और परिवार दोनों को खोखला कर देता है। युवा पीढ़ी को इससे दूर रहना चाहिए। उन्होंने सरकार की ओर से नशे पर नियंत्रण के लिए जारी टोल-फ्री नंबर 1933 की भी जानकारी दी और कहा कि कोई भी व्यक्ति कभी भी इस पर सूचना दे सकता है। प्रशासन इस अभियान में जनता के साथ पूरी तरह खड़ा है। उपायुक्त ने सर्व कल्याण हरियाणा मंच के इस नेक कार्य की सराहना की और अन्य सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं से अपील की कि वे भी ऐसे सेवा कार्यों में आगे आएं, ताकि

जरूरतमंद बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

सर्व कल्याण हरियाणा मंच के जिला अध्यक्ष एवं पूर्व सरपंच सुरेंद्र उड़ाना ने लगभग 700 गरीब बच्चों को जूते वितरित किए। उन्होंने स्वयं बच्चों के पैरों में जूते पहना कर उनका उत्साहवर्धन किया। सुरेंद्र उड़ाना ने कहा कि गरीबों की सेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था 2013 से समाज के कमजोर वर्गों की मदद में लगातार सक्रिय है।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर एम.एम पब्लिक स्कूल के स्काउट्स गाइड्स को शील्ड देकर किया सम्मानित

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। एम.एम. पब्लिक स्कूल के स्काउट्स गाइड्स ने जिला शिक्षा अधिकारी करनाल रोहताश वर्मा के निर्देशानुसार व जिला संगठन आयुक्त सियाराम शास्त्री के मार्गदर्शन में राज्य स्तरीय स्काउट गाईड नेचर स्टडी एडवेंचर कैंप उतर रेलवे स्काउट गाईड ट्रैनिंग सैंटर जाबली हिमाचल प्रदेश में आयोजित किया गया। जिसमें हरियाणा के 153 स्काउट्स एवम् गाइड्स ने भाग लिया।सभी बच्चों ने पहाड़ों में ट्रैकिंग प्रतियोगी,प्राकृतिक झरने का भ्रमण, प्रकृति संरक्षण, पानी बचाओ, बिजली बचाओ, जीवन में योग का महत्व,प्राथमिक चिकित्सा, आपदा प्रबंधन, नशा मुक्त भारत बनाने संबंधी जानकारी ली। एम एम पब्लिक स्कूल असंध से 22 स्काउट्स व गाइड्स सहित स्काउट मास्टर सुरेश कुमार व गाईड कैप्टन कमलदीप कौर ने भाग लिया। बच्चों ने कड़ी मेहनत कर 6 शील्ड

हासिल कर अपने नाम का लोहा मनवाया। जिला संगठन आयुक्त सियाराम शास्त्री ने जिला शिक्षा अधिकारी व शिक्षा विभाग करनाल की तरफ से सभी प्रतिभागियों व अध्यापकों शुभकामनाएं देते हुए सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उत्तर रेलवे के अधिकारियों का बेहतर प्रबंध के लिए धन्यवाद कर सभी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले स्काउट्स गाइड्स को शील्ड देकर सम्मानित किया। विद्यालय पहुंचने पर निर्देशक आर वी भारद्वाज, कॉर्डिनेटर माला जूड सहित सभी अध्यापकों ने पूरी टीम का जोरदार स्वागत किया। आर.वी भारद्वाज ने बताया कि हमारे विद्यालय में बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ हर बच्चे को उसकी रुचि अनुसार खेलों व अन्य गतिविधियों में शामिल किया जाता है। ताकि बच्चा आने वाले समय में देश का बेहतर नागरिक बन सके।